



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 25 जनवरी, 2026
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) एक तेज़ पश्चिमी विक्षोभ के कारण 26 से 28 जनवरी के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश होने की संभावना है और 27 जनवरी, 2026 को कुछ जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी और ओलावृष्टि हो सकती है।

(ii) 27 और 28 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की/मध्यम बारिश, बिजली कड़कने और 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने और 70 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से झाँके आने और ओलावृष्टि होने की संभावना है।

(iii) एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 30 जनवरी, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 25 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मेघालय के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- ❖ रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में ≤ 200 मीटर): पश्चिमी उत्तर प्रदेश: AMS कुशीनगर 50m; पश्चिमी मध्य प्रदेश: भोपाल; पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर; मेघालय: बारापानी 50m।
- ❖ राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति रही और हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कुछ इलाकों में शीतलहर की स्थिति रही।
- ❖ हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कुछ इलाकों में कोल्ड डे की स्थिति रही।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 30-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हुई।
- ❖ हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी हुई (जोत 7.0cm)।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान 1-4°C था; दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर 5°-9°C; पंजाब, उत्तरी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, सिक्किम और मेघालय में कुछ जगहों पर। देश के बाकी हिस्सों में यह 10°C और उससे ज्यादा था, सिवाय पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के ऊचे इलाकों को छोड़कर जहां यह 0°C से कम था।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु में न्यूनतम तापमान सामान्य से (2°C से 5°C) ज्यादा था और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, ओडिशा में सामान्य से (-2°C से -4°C) कम था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। (अनुलग्नक IV देखें)
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात राज्य, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, केरल और माहे में न्यूनतम तापमान में 1-4°C की बढ़ोतरी देखी गई; उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में 1-4°C की गिरावट देखी गई।
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान -2.7°C फतेहपुर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक । एवं ॥ देखें):

- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में कोमोरिन क्षेत्र से दक्षिण-पूर्वी अरब सागर होते हुए उत्तरी केरल तट तक पूर्वी हवाओं में एक ट्रफ बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में हिमाचल और उससे सटे पंजाब के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षेप्ता, जिसके ऊपर मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक पछुआ हवाओं में लगभग 74°E देशांतर के साथ 28°N अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में दक्षिण पंजाब से कच्छ तक एक ट्रफ बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में मध्य उत्तर प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130 नॉट की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम पूर्वोत्तर भारत के ऊपर बनी हुई है।
- ❖ 26 जनवरी, 2026 से एक नया पश्चिमी विक्षेप्ता उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।
- ❖ 30 जनवरी, 2026 की रात से एक और नया पश्चिमी विक्षेप्ता उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

ऊपर बताए गए प्रणालियाँ, के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और 27 और 28 जनवरी को उत्तराखण्ड में बिजली कड़कने और 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश/बर्फबारी का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है, जिसकी रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी की भी संभावना है और 27 जनवरी को पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में बिजली कड़कने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, जिसकी रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है; 27 और 28 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 27 और 28 जनवरी को मध्य भारत में अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने के साथ हल्की बारिश की संभावना है।
- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में; 27 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में और 27 और 28 जनवरी को उत्तराखण्ड में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है।
- ❖ 28 जनवरी को बिहार में गरज, बिजली कड़कने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ अलग-अलग जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश की बहुत अधिक संभावना है और 25 और 26 जनवरी को केरल और माहे में बिजली कड़कने के साथ बारिश की संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में $2\text{-}4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है; अगले 2 दिनों के दौरान $2\text{-}4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद अगले 4 दिनों के दौरान $2\text{-}4^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है; अगले 2 दिनों के दौरान $3\text{-}4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद अगले 2 दिनों के दौरान $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है; अगले 2 दिनों के दौरान $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद अगले 3 दिनों के दौरान $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और अगले 2 दिनों के दौरान $2\text{-}3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद अगले 4 दिनों के दौरान $2\text{-}4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ में 26 तारीख तक और उत्तरी उत्तर प्रदेश और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 जनवरी तक सुबह/रात के घंटों में कुछ जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

- ❖ पूर्वी राजस्थान में 26 तारीख को कुछ जगहों पर शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है; हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में 26 तारीख को और पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 26 तारीख और 28-30 जनवरी के दौरान कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब में 27 जनवरी को कुछ जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 25 जनवरी से 30 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: 25 जनवरी को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के पास और दूर; 25 से 30 जनवरी 2026 के दौरान मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन इलाके में; 26 से 28 जनवरी के दौरान श्रीलंका के तट पर न जाएं।

अरब सागर: 25 जनवरी को उत्तर-पूर्वी अरब सागर में, गुजरात तट के पास और दूर; 26 जनवरी को उत्तर-पूर्वी अरब सागर में, उत्तरी गुजरात तट के पास और दूर न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में 25-28 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

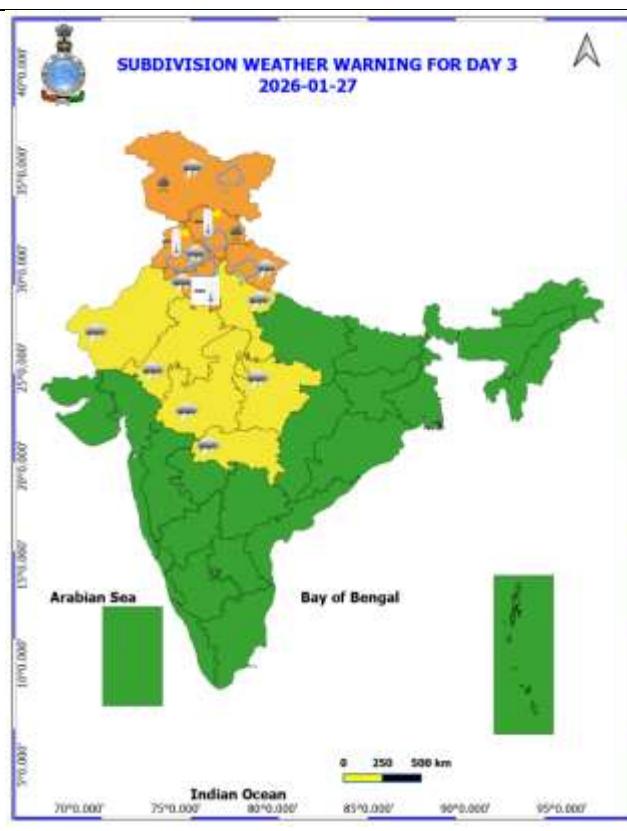
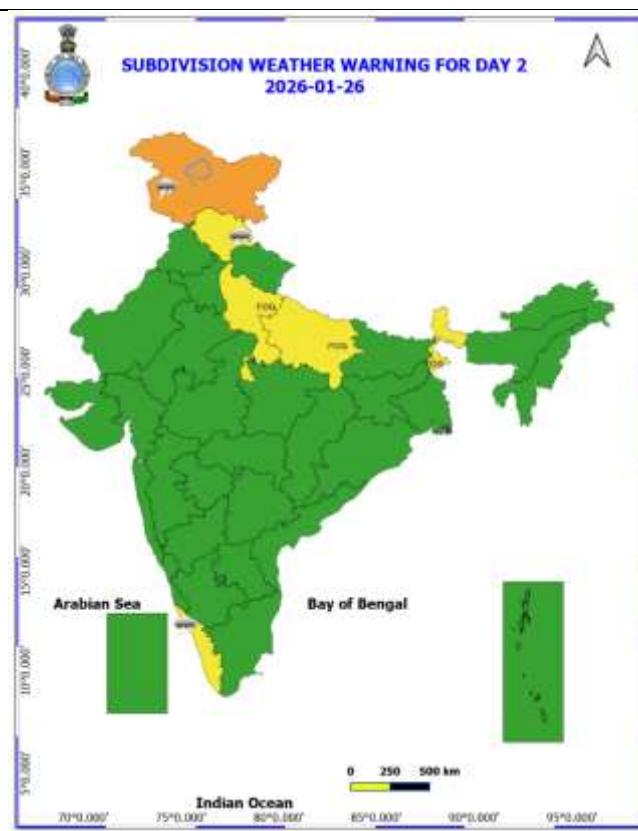
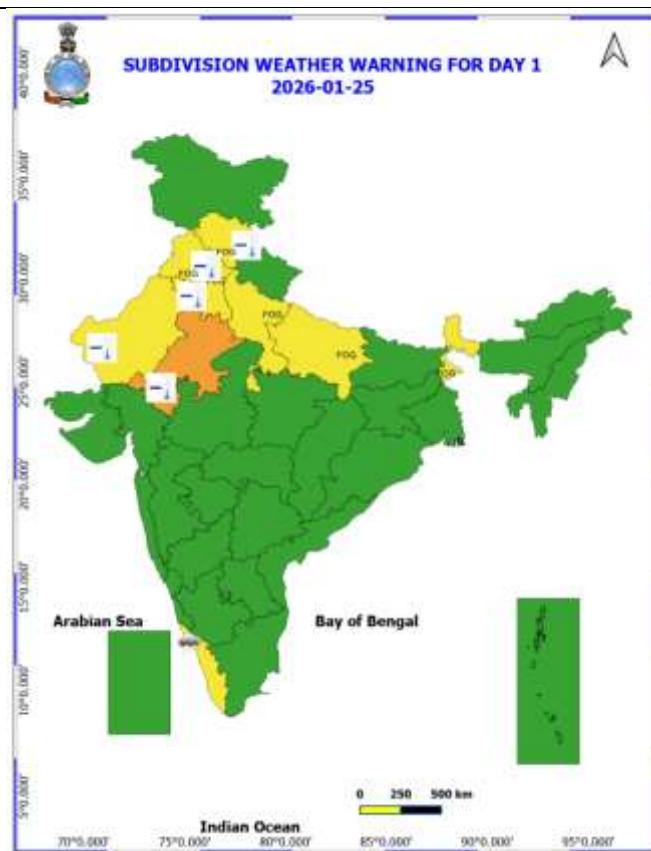
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

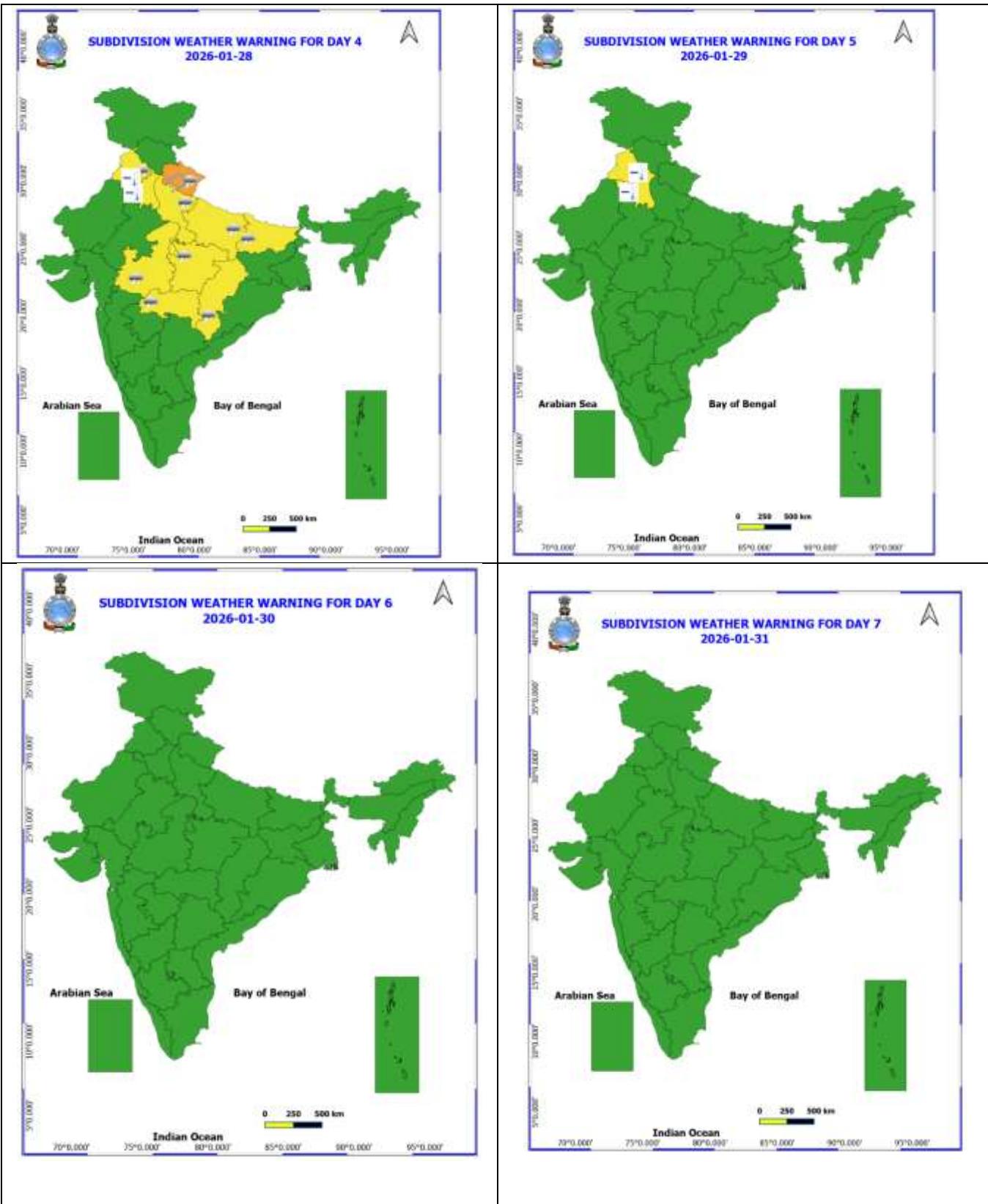
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1
7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	25- Jan	26- Jan	27- Jan	28- Jan	29- Jan	30- Jan	31- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL						
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY						
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY						
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY						
7	ODISHA	DRY						
8	JHARKHAND	DRY						
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	FWS	SCT	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY						
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY						
23	KONKAN & GOA	DRY						
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY						
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY						
29	TELANGANA	DRY						
30	RAYALASEEMA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY						
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY						
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

25 से 28 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1°C तक की मामूली गिरावट आई है और अधिकतम तापमान में 01 - 03°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 19°C और 05°C से 07°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1 से -5.0°C) और दिल्ली की कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। आज सुबह क्षेत्र में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली।

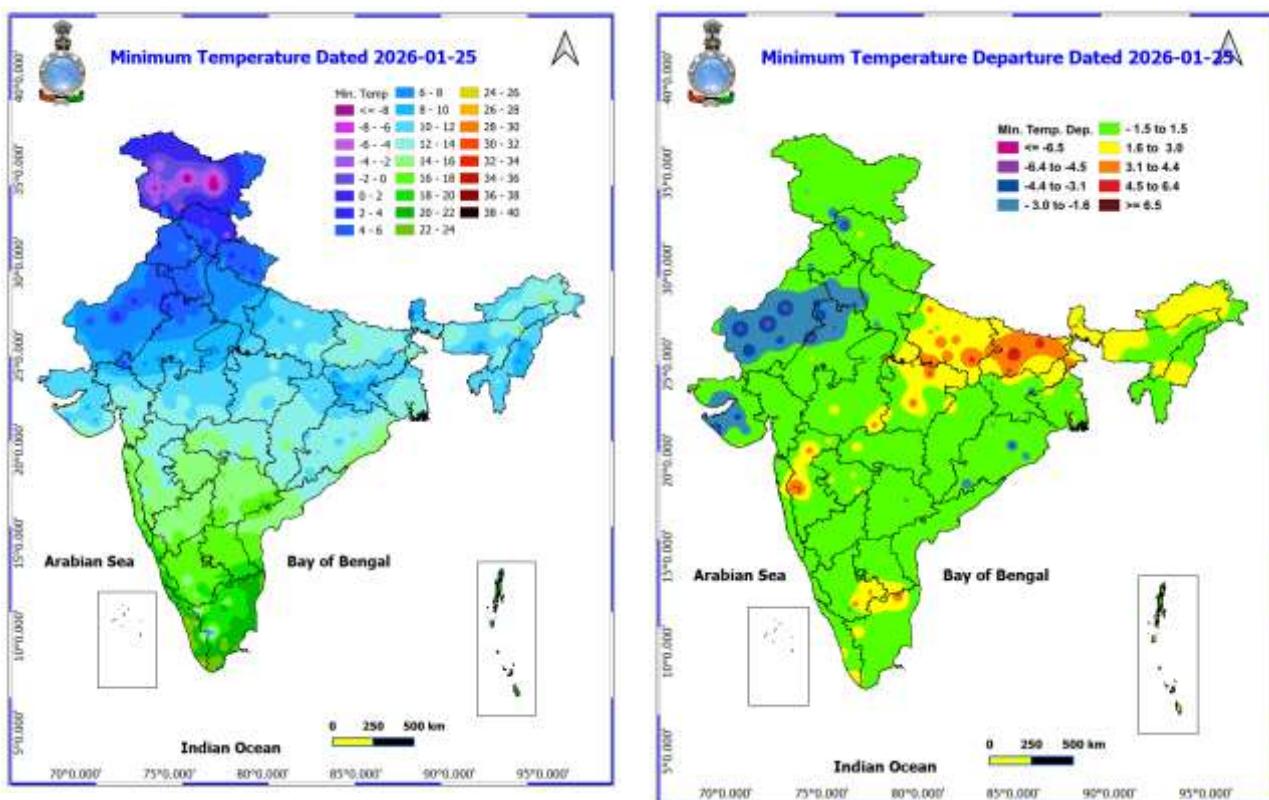
मौसम पूर्वानुमान:

25.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतह पर हवा की गति 15 - 25 किमी प्रति घंटे तक रहेगी। रात में धूंध रहेगी। अधिकतम तापमान 18°C से 20°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

26.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की से मध्यम धूंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 21°C और 04°C से 06°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी प्रति घंटा से कम होगी। दोपहर में हवा की गति उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटा तक कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटा तक कम हो जाएगी।

27.01.2025: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक गरज-चमक और तेज हवाओं (हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश के एक या दो दौर हो सकते हैं। दोपहर से शाम तक बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 08°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर में हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से घटकर 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।

28.01.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर में हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर दिशा से 08 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।



अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम

- ❖ जम्मू-कश्मीर में 26 और 27 तारीख को; हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में 27 तारीख को और उत्तराखण्ड में 27 और 28 जनवरी को अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में 26 और 27 तारीख को और उत्तराखण्ड में 27 और 28 जनवरी को बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं की गति 50-60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है, जो 70 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है; पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 27 तारीख; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 और 28 जनवरी को बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं की गति 40-50 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है, जो 60 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।

- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ 26 जनवरी तक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा चंडीगढ़ और 27 जनवरी तक उत्तर उत्तर प्रदेश और सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में सुबह/रात के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रॉकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रॉकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: पूर्वी राजस्थान में 26 तारीख को कुछ जगहों पर शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है; हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में 26 तारीख को और पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 26 तारीख और 28-30 जनवरी के दौरान कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति रहने की संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचाने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा/ हिमपात के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- > जम्मू-कश्मीर में, गेहूं, सरसों, चना, मटर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था बनाएं रखें। फलदार पेड़ों को धीरे से हिलाकर उनकी शाखाओं से बर्फ तुरंत हटा दें।
- > हिमाचल प्रदेश में, गेहूं, जौ, प्याज, मटर, आलू, लहसुन, पालक, मूली, शलगम, धनिया, पत्ता गोभी, फूल गोभी, ब्लोकली तथा फल बागानों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित जल-निकास व्यवस्था सुनिश्चित करें। फलदार पेड़ों की शाखाओं से बर्फ हटाने के लिए पेड़ों को हल्के से हिलाएँ।
- > उत्तराखण्ड में, गेहूं, जौ, मसूर, चना, सरसों, राई/रेपसीड, सब्जी एवं बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। फलदार पेड़ों की शाखाओं से बर्फ हटाने के लिए पेड़ों को हल्के से हिला दें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- > जम्मू और कश्मीर, तथा हिमाचल प्रदेश में फलों के बागानों और सब्जियों के पौधों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु हेलनेट का उपयोग करें।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- > हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को भूमि से /पॉलीथीन शीट से ढक दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- > बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- > भारी बारिश/ ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिछावन उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूज़ों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

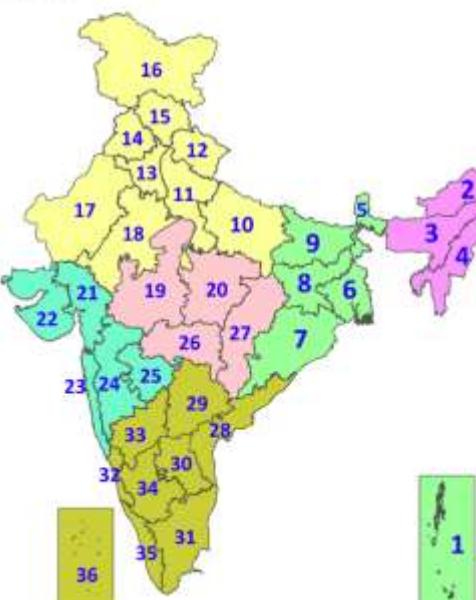
मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विरभंग और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखण्ड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कॉकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।



LEGENDS

- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
- अरुणाचल प्रदेश
- असम और मेघालय
- नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
- गंगीय पश्चिम बंगाल
- ओडिशा
- झारखण्ड
- बिहार
- पूर्वी उत्तर प्रदेश
- पश्चिम उत्तर प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
- पंजाब
- हिमाचल प्रदेश
- जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
- पश्चिम राजस्थान
- पूर्वी राजस्थान
- पश्चिम मध्य प्रदेश
- पूर्वी मध्य प्रदेश
- गुजरात
- सूराट्
- कोकण और गोवा
- मध्य महाराष्ट्र
- मराठवाड़ा
- विदर्भ
- छत्तीसगढ़
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
- तेलंगाना
- रायलसीमा
- तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
- तटीय कर्नाटक
- आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
- आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
- केरल और माहे
- लक्षद्वीप



- Andaman & Nicobar Islands
- Arunachal Pradesh
- Assam & Meghalaya
- Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
- Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
- Gangetic West Bengal
- Odisha
- Jharkhand
- Bihar
- East Uttar Pradesh
- West Uttar Pradesh
- Uttarakhand
- Haryana, Chandigarh & Delhi
- Punjab
- Himachal Pradesh
- Jammu & Kashmir and Ladakh
- West Rajasthan
- East Rajasthan
- West Madhya Pradesh
- East Madhya Pradesh
- Gujarat
- Saurashtra
- Konkan & Goa
- Madhya Maharashtra
- Marathwada
- Vidarbha
- Chhattisgarh
- Coastal Andhra Pradesh & Yanam
- Telangana
- Rayalseema
- Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
- Coastal Karnataka
- North Interior Karnataka
- South Interior Karnataka
- Kerala & Mahe
- Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)		
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)		
26-50	Scattered (SCT/A Few Places)		
1-25	Isolated (ISOL)		



COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75